

न्यायालय (अदालत) का न्यायालय (अदालत) का न्यायालय (अदालत)

### फर्द अहकाम

बनाम राजेश कुमार

नाम न्यायालय

केस संख्या 30/19 धर्मा

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
	4-1-2023	<p>पञ्चवली प्रस्तुती व.के. उप. वादी के आज्ञा श्री विद्वांश ज.प.प. पेक्षा नहीं किया है। पूर्व में अनेक अवसर दिए जा चुके हैं। उपपत्र के तहसीलदार कोर्ट से प्राप्त रिपोर्ट पर ध्यान नहीं की है। शीतवर्गी कार्यवाही में जाहित किया है। की तहसीलदार कोर्ट की रिपोर्ट के आस्था पर उपपत्र तकात्मक करवाना नहीं चाहते हैं। अतः वाड खारिज किया जाये। तहसीलदार कोर्ट से प्राप्त रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। जिसमें अंकित किया है की मुँके पर वाड में वादी व शीतवर्गीय उपपत्र मिले। उपपत्र के तकात्मक नहीं चाहते हैं। वादी का.ता. पेक्षा या विद्वांश कर लेंगे। परन्तु वादी के विद्वांश हेतु अनेक अवसर दिए के वाड श्री विद्वांश ज.प.प. पेक्षा नहीं किया है। अतः तहसीलदार कोर्ट की रिपोर्ट के आस्था पर उपपत्र तकात्मक करवाना नहीं चाहते हैं तो वाड पर अब कोई कार्यवाही शेष नहीं रहे जाती है। अतः मुताबिक तहसीलदार</p>

न्यायालय अधीन कलकत्ता न्यायालय उ. प्र. १९५८

## फर्द अहकाम

बाबुलाल बनाम भावानन्ददास

न्यायालय

संख्या ३०/१९५९

क्रमा	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		<p>आज्ञा की रिपोर्ट के आधार पर वाद व्यवस्था किया जाता है पत्रावली फेसल शुक्रा होकर कार्रवाई पत्रा है</p> <p style="text-align: center;">[Signature]</p> <p style="text-align: center;">सहायक कलक्टर आमेर मु. प्रयपुर</p>	